प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद-गोरखपुर।

पत्रांकः एम.डी.-कैम्प/2016-17/2090 दिनांकः 29 अगस्त, 2016

विषयः दिनांक 17.08.2016 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जनपद गोरखपुर के चिकित्सालयों की आकस्मिक निरीक्षण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 17.08.2016 को आपके जनपद-गोरखपुर के जिला पुरूष चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-सहजनवाँ एवं आँगनवाड़ी केन्द्र-भीटी रावत का औचक निरीक्षण किया गया।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपर्युक्त स्वास्थ्य इकाईयों की निरीक्षण आख्या संलग्न कर आपको इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि बिन्दुवार आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक : यथोक्त

भवदीय,

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक।

पत्रांकः एम.डी.-कैम्प/2016-17/2090-4, तद्दिनांक।
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी जनपद-गोरखपुर को इस आशय से प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर अपने स्तर से कार्यवाही कर अधोहस्ताक्षरी को को अवगत कराने का कष्ट करें।
3. महाप्रबन्धक, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को निर्देश के साथ प्रेषित कि आप अपने स्तर से फालो-अप करना सुनिश्चित करें।
4. मण्डलीय एवं एवं जनपदीय कार्यक्रम अधिकारी, गोरखपुर को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर बिन्दुवार कार्यवाही सुनिश्चित कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक।

श्री आलोक कुमार, आई.ए.एस., मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 17 अगस्त, 2016 को जनपद गोरखपुर के चिकित्सालयों की निरीक्षण आख्या

दिनांक 17 अगस्त, 2016 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जनपद गोरखपुर के जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-सहजनवाँ एवं ग्राम-भीटी रावत में आयोजित वी.एच.एन.डी. का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधोहस्ताक्षरी के साथ डॉ0 मन्नान अख्तर, मुख्य विकास अधिकारी-गोरखपुर, मुख्य चिकित्साधिकारी-गोरखपुर सम्बन्धित मुख्य चिकित्सा अर्धाक्षक/अर्धाक्षिका, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, जनपदीय कार्यक्रम अधिकारी एवं जनपदीय अधिकारी मौजूद थे।

जिला पुरुष चिकित्सालय/जिला महिला चिकित्सालय, गोरखपुर- सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय स्थित आई.सी.यू. वार्ड का निरीक्षण किया गया जिसकी बिन्दुवार निरीक्षण आख्या निम्नवत् है-

- आई.सी.यू. वार्ड में स्थापित मॉनीटर्स एवं अन्य उपकरण क्रियाशील पाये गये। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि अधोहस्ताक्षरी के निरीक्षण के समय ही आक्सीजन पाइप को चालू किया गया था **जो कि समाप्त ही होने वाला था।**
- **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से अपेक्षा की गई कि जे.ई./ए.ई.एस. से पीड़ित अधिक से अधिक बच्चों का का उपचार जिला चिकित्सालय में ही किया जाना सुनिश्चित करें एवं आवश्यक मामलों में ही बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज को संदर्भित किया जाय।**
- यह भी अवगत कराया गया कि जे.ई./ए.ई.एस. केस के केवल 10 प्रतिशत (क्रिटिकल) केस में ही वेंटीलेटर मुहैया कराया जा रहा है।
- एन.सी.डी. क्लीनिक में कुल 07 (02 स्टाफ नर्स, 01 फिजियोथेरेपिस्ट, 01 डी.ई.ओ., 01 काउंसलर, 01 लैब टेक्निशियन एवं 01 डाक्टर) तैनात हैं जबकि क्लीनिक में इतनी मात्र में उपकरण उपलब्ध नहीं थे।
- क्लीनिक में अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति में अच्छी नहीं पायी गई। **इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि क्लीनिक में आवश्यकता से अधिक उपलब्ध मानव संसाधनों का सदुपयोग अन्यत्र किया जाय। साथ ही साथ डॉ0 अमरेश बहादुर सिंह, उप महाप्रबन्धक, एन.सी.डी., एस.पी.एम.यू. को निर्देशित किया गया कि क्लीनिक में उपलब्ध स्टाफ में से कुछ को सम्पूर्णा क्लीनिक में सम्बद्ध करने हेतु दिशा-निर्देश निर्गत करें।**
- इसके अतिरिक्त पुरूष चिकित्सालय में निर्मित आयुष विंग का भ्रमण किया गया जहाँ स्थिति संतोषजनक पायी गई।
- मुख्य चिकित्सा अर्धाक्षक से अपेक्षा की गई कि यू.पी.एच.एस.एस.पी. द्वारा उपलब्ध कराये गये स्टाफ नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ एवं रजिस्ट्रेशन क्लर्क इत्यादि का सदुपयोग किया जाना सुनिश्चित करें।
- जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती महिलाओं से जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत दी जाने वाली सुविधाओं के बारे जानकारी प्राप्त की गई। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत दी जाने वाली सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं।
- **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि प्रसव उपरान्त महिलाओं को कम से कम 24 घण्टे अवश्य रोका जाय एवं सम्बन्धित स्टॉफ को उन्हें रोकने के लिए प्रेरित किया जाय।**

- महिला वार्डों में भर्ती महिलाओं द्वारा अवगत कराया गया कि बेडशीट एक दिन के अन्तराल में बदली जाती है। **इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि बेडशीट प्रतिदिन बदलवाना सुनिश्चित करें।**
- एम.सी.पी. कार्ड पर एम.सी.टी.एस. आई.डी. एवं बचत खाता अंकित नहीं पाया गया। **इस सम्बन्ध में निर्देश दिये गये कि एम.सी.पी. कार्ड पर शत-प्रतिशत आई.डी. एवं बचत खाता अंकित कराना सुनिश्चित करें।**
- **स्थानीय महिलाओं से पूछने पर अवगत कराया गया कि ओ.आर.एस. का वितरण अभी तक सभी स्थानों पर नहीं किया गया हैं**
- अल्ट्रासाउण्ड कक्ष के समीप महिलाओं द्वारा शिकायत की गई कि लाइन में लगी महिलाओं का अल्ट्रासाउण्ड नहीं हो रहा है बल्कि अन्य दूसरी महिलाओं का अल्ट्रासाउण्ड किया जा रहा है। **मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि तत्काल टोकन व्यवस्था लागू करना सुनिश्चित करें।**
- **चिकित्सालय परिसर में कार्यदायी संस्था सी0एण्ड डी0 द्वारा बनायी जा रही ओ0टी0 अभी क्रियाशील नहीं हुई है। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित से वार्ता करके**

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-सहजनवाँ, गोरखपुर-</u>

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ई.टी.सी. वार्ड में एक भी मरीज भर्ती नहीं पाया गया। यह अवगत कराया गया कि कुल 28 मरीज भर्ती हुए थे जिनमें से 05 बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर रिफर किये गये हैं शेष मरीज डिस्चार्ज किये जा चुके हैं। किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है।
- चिकित्सालय के वार्डों एवं परिसर में सफाई व्यवस्था **संतोषजनक नहीं पायी गई जिसके लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी का शिथिल पर्यवेक्षण परिलक्षित होता है।**
- **चिकित्सालय में अभिलेखों एवं रिकार्डों के रख-रखाव की कोई व्यवस्था नहीं थीं। अभिलेखों के रख-रखाव हेतु जिम्मेदारी तय करने हेतु निर्देशित किया गया।**
- श्रीमती लक्ष्मीना पत्नी श्री संजय गुप्ता, निवासी खानीपुर, सहजनवाँ के प्रसव के उपरान्त जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत मिलने वाले रू0 1400.00 के सम्बन्ध में सम्बन्ध में भी कोई रिकार्ड नहीं पाये। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को जाँच किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अपनी जाँच आख्या दिनांक 23.08.2016 को उपलब्ध करायी गई जिसमें यह पाया गया है कि रू0. 1400.00 की धनराशि माह जून, 2016 को भुगतान किया जा चुका है। उक्त जाँच आख्या शासन को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रसारित की जा रही है।
- स्थानीय पत्रकारों द्वारा यह शिकायत की गई कि चिकित्सालय में कोई भी हड्डी रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं है जबकि चिकित्सालय नेशनल हाइवे पर स्थित है और आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।
- चिकित्सालय में कोई भी सीजेरियन केस नहीं किया गया है जबकि चिकित्सालय में 02 गाइनोकालोजी चिकित्सक तैनात हैं।

- चिकित्सालय में सुविधाओं के अभाव में प्रसव उपरान्त कोई भी महिला 48 घण्टे तक चिकित्सालय में नहीं रुकती। इस सम्बन्ध में चिकित्सालय प्रबन्धन भी कोई रुचि नहीं दिखायी जा रही है।
- आर.बी.एस.के. एवं सर्पोटिव सुपरविजन हेतु उपलब्ध वाहन का सदुपयोग नहीं हो रहा है।
- एम.सी.पी. कार्ड पर एम.सी.टी.एस. आई.डी. एवं लाभार्थी का बचत खाता नम्बर अंकित नहीं पाया गया।
- ब्लॉक एकाउण्ट मैनेजर, ब्लॉक कम्युनिटी मैनेजर एवं अन्य जनपदीय अधिकारियों को फील्ड में नहीं भेजा रहा है।

<u>आँगनवाड़ी केन्द्र (वी.एच.एन.डी.) भीटी रावत, गोरखपुर-</u>

- आंगनवाड़ी केन्द्र पर ए.एन.एम.-सुश्री सीमा, आशा-सुश्री शर्मिला एवं अन्य ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं।
- स्थानीय महिलाओं द्वारा अवगत कराया गया कि ओ.आर.एस. घोल नहीं दिया गया है।
- महिलाओं के एब्डॉमिनल जाँच हेतु कोई स्थान निर्धारित नहीं था।
- गर्भवती महिलाओं के एम.सी.पी. कार्डपर एम.सी.टी.एस. आई.डी. एवं बचत खाता अंकित नहीं था।
- एम.सी.पी. कार्ड के अन्दर के पृष्ठों में भी की गई जाँचों का उल्लेख नहीं पाया गया।
- वी.एच.एन.डी. के स्थान पर उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध कोई भी पोस्टर या बैनर नहीं लगा था।
- ए0आर0ओ0 विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया।